प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0
मण्डी परिषद् भवन, 16, ए.पी. सेन रोड, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–लखनऊ।

पत्र संख्या : एस.पी.एम.यू./नियोजन/42/2024–25/312 दिनांक : 18-4-2024

विषयः–राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 20–23 मार्च, 2024 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों को निस्तारित कराये जाने के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सपोर्टिव सुपरविजन की टीम द्वारा दिनांक दिनांक 20–23 मार्च, 2024 को आपके जनपद की विभिन्न स्वास्थ्य इकाईयों पर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया। भ्रमण दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान चिकित्सा इकाईयों में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के सम्बंध में प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है, जिसके मुख्य बिन्दु (विस्तृत आख्या संलग्न) निम्नवत हैः–

वी0एच0एन0डी0 सत्र–ग्राम जानकीखेड़ा

वी0एच0एन0डी0 सत्र गांव के मध्य आंगनबाड़ी कार्यकत्री के घर पर आयोजित था एवं सत्र के आयोजन हेंतु सभी आवश्यक तैयारियां मानकानुसार नही थी। ए0एन0सी0 के अन्तर्गत पेट की जाँच हेतु कोई प्रबन्धन नही था। डायबिटीज की जाँच हेतु यूरिस्टिक एवं किशोरियों हेतु आयरन गोली व आयरन सिरप उपलब्ध नहीं थे।

आशा द्वारा ड्यू लिस्ट तैयार नही की गई थी तथा अतिकुपोषित बच्चों को भी चिन्हित नहीं किया गया था। मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु के विषय पर पर्याप्त सूचना उपलब्ध नही करायी गयी। ए0एन0एम0 ब्लड–प्रेशर एवं हिमोग्लोबिन की जांच करने में सक्षम नही थी। ए0एन0एम0, आशा संगिनी एवं आशा को अपने कार्यो के विषय में पर्याप्त जानकारी नही थी। सभी को हैण्डहोल्डिंग की आवश्यकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मलिहाबाद

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मलिहाबाद एक कायाकल्प प्रमाणित स्वास्थ्य केन्द्र है। बालरोग विशेषज्ञ का अटैचमेंट अन्य स्थान पर कर दिये जाने के कारण एन0बी0एस0यू0 अक्रियाशील है। लेबर रुम मे रेडियंट वार्मर की साफ–सफाई नही थी। बी0एच0टी0 और पार्टोग्राफ पूर्ण रुप से नही भरे गये थे। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाने से पूर्व कन्सेन्ट फॉर्म नही भरे जा रहें हैं।

परिवार नियोजन परामर्शदाता होने के बाद भी प्रसव के बाद प्रसूति को कोई परामर्श नही किया जा रहा था। प्रतिदिन 5–6 प्रसव हो रहे है परन्तु लेबर रुम में केवल एक लेबर टेबिल उपलब्ध है। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट क्रियाशील नहीं है। मानकानुसार नसबंदी रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे।

ठाकुरगंज टी0बी0 चिकित्सालय,लखनऊ

चिकित्सालय कायाकल्प प्रमाणित है। प्रसूति महिलाओं द्वारा प्राप्त सेवाओं एवं स्टाफ के व्यवहार की प्रशंसा की गई। लेबर रूम में बी0एच0टी0 एवं पार्टोग्राफ अपूर्ण पाये गये। एच0आर0पी0 की कोई संकलित सूचना नही थी तथा न ही उनका कोई फॉलोअप किया जाता है। एन0आई0सी0यू0 मानकानुसार क्रियाशील नही है।

एन0टी0ई0पी0 कार्यकम

एम0डी0आर0 स्टोरेज में नही है। डॉट सेन्टर भवन काफी जर्जर स्थिति में है। एन0टी0ई0पी0 के अन्तर्गत Working hours में Nischay App नहीं चलता है।

परिवार नियोजन

परिवार नियोजन से सम्बन्धित स्थाई एवं अस्थाई साधनों के डॉक्यूमेन्टेशन हेतु मानकानुसार रजिस्टर एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। आज तक Tubectomy cases का भुगतान नही किया गया है और ना ही उससे सम्बन्धित कोई रिकॉर्ड उपलब्ध है। 6 माह से छाया और ओ0सी0पी0 उपलब्ध नही है।

उपरोक्त भ्रमण की विस्तृत आख्या संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित की जा रही है कि भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों एवं दिये गये सुझावों के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करते हुए बिन्दुवार अनुपालन आख्या/कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को पत्र प्राप्ति के 1 सप्ताह के भीतर हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीया,

16/4/24

(डॉ0 पिंकी जोवल)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या : एस.पी.एम.यू./नियोजन/42/2023–24/ तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक–परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद–लखनऊ।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लखनऊ मण्डल।
5. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, उत्तर प्रदेश।
6. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद–लखनऊ को इस आशय के साथ प्रेषित कि भ्रमण आख्या का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(डॉ0 अर्चना वर्मा)
जनपदीय नोडल अधिकारी,
लखनऊ

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0
मण्डी परिषद् भवन, 16, ए.पी. सेन रोड, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–लखनऊ।

पत्र संख्या : एस.पी.एम.यू./नियोजन/42/2024–25/ दिनांक : 18.4.2024

विषयः–राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 20–23 मार्च, 2024 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों को निस्तारित कराये जाने के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सपोर्टिव सुपरविजन की टीम द्वारा दिनांक दिनांक 20–23 मार्च, 2024 को आपके जनपद की विभिन्न स्वास्थ्य इकाईयों पर दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया। भ्रमण दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान चिकित्सा इकाईयों में दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के सम्बंध में प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है, जिसके मुख्य बिन्दु (विस्तृत आख्या संलग्न) निम्नवत हैः–

वी0एच0एन0डी0 सत्र–ग्राम जानकीखेड़ा

वी0एच0एन0डी0 सत्र गांव के मध्य आंगनबाड़ी कार्यकत्री के घर पर आयोजित था एवं सत्र के आयोजन हेंतु सभी आवश्यक तैयारियां मानकानुसार नही थी। ए0एन0सी0 के अन्तर्गत पेट की जाँच हेतु कोई प्रबन्धन नही था। डायबिटीज की जाँच हेतु यूरिस्टिक एवं किशोरियों हेतु आयरन गोली व आयरन सिरप उपलब्ध नहीं थे।

आशा द्वारा ड्यू लिस्ट तैयार नही की गई थी तथा अतिकुपोषित बच्चों को भी चिन्हित नहीं किया गया था। मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु के विषय पर पर्याप्त सूचना उपलब्ध नही करायी गयी। ए0एन0एम0 ब्लड–प्रेशर एवं हिमोग्लोबिन की जांच करने में सक्षम नही थी। ए0एन0एम0, आशा संगिनी एवं आशा को अपने कार्यो के विषय में पर्याप्त जानकारी नही थी। सभी को हैण्डहोल्डिंग की आवश्यकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मलिहाबाद

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मलिहाबाद एक कायाकल्प प्रमाणित स्वास्थ्य केन्द्र है। बालरोग विशेषज्ञ का अटैचमेंट अन्य स्थान पर कर दिये जाने के कारण एन0बी0एस0यू0 अकियाशील है। लेबर रुम मे रेडियंट वार्मर की साफ–सफाई नही थी। बी0एच0टी0 और पार्टोग्राफ पूर्ण रुप से नही भरे गये थे। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाने से पूर्व कन्सेन्ट फॉर्म नही भरे जा रहें हैं।

परिवार नियोजन परामर्शदाता होने के बाद भी प्रसव के बाद प्रसूति को कोई परामर्श नही किया जा रहा था। प्रतिदिन 5–6 प्रसव हो रहे है परन्तु लेबर रुम में केवल एक लेबर टेबिल उपलब्ध है। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट कियाशील नहीं है। मानकानुसार नसबंदी रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे।

ठाकुरगंज टी0बी0 चिकित्सालय,लखनऊ

चिकित्सालय कायाकल्प प्रमाणित है। प्रसूति महिलाओं द्वारा प्राप्त सेवाओं एवं स्टाफ के व्यवहार की प्रशंसा की गई। लेबर रूम में बी0एच0टी0 एवं पार्टोग्राफ अपूर्ण पाये गये। एच0आर0पी0 की कोई संकलित सूचना नही थी तथा न ही उनका कोई फॉलोअप किया जाता है। एन0आई0सी0यू0 मानकानुसार कियाशील नही है।

एन0टी0ई0पी0 कार्यक्रम

एम0डी0आर0 स्टोरेज में नही है। डॉट सेन्टर भवन काफी जर्जर स्थिति में है। एन0टी0ई0पी0 के अन्तर्गत Working hours में Nischay App नहीं चलता है।

परिवार नियोजन

परिवार नियोजन से सम्बन्धित स्थाई एवं अस्थाई साधनों के डॉक्यूमेन्टेशन हेतु मानकानुसार रजिस्टर एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। आज तक Tubectomy cases का भुगतान नही किया गया है और ना ही उससे सम्बन्धित कोई रिकॉर्ड उपलब्ध है। 6 माह से छाया और ओ0सी0पी0 उपलब्ध नही है।

उपरोक्त भ्रमण की विस्तृत आख्या संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित की जा रही है कि भ्रमण दल द्वारा इंगित कमियों एवं दिये गये सुझावों के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करते हुए बिन्दुवार अनुपालन आख्या/कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को पत्र प्राप्ति के 1 सप्ताह के भीतर हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीया,

(डॉ0 पिंकी जोवल)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या : एस.पी.एम.यू./नियोजन/42/2023–24/312-7 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक–परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद–लखनऊ।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लखनऊ मण्डल।
5. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, उत्तर प्रदेश।
6. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद–लखनऊ को इस आशय के साथ प्रेषित कि भ्रमण आख्या का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(डॉ0 अर्चना वर्मा)
जनपदीय नोडल अधिकारी,
लखनऊ

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण बिन्दु
जनपद–लखनऊ
दिनांक– 20.03.2024 से 22.03.2024

पर्यवेक्षक–

- **डा0 अर्चना वर्मा, जी0एम0, नियोजन,एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0,लखनऊ।**
- **सरिता गुप्ता,स्टेट आशा प्रोग्राम मैनेजर, सी0पी0/ई0एम0टी0एस0,एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0,लखनऊ।**
- **सादिया सिद्दीकी, डी0आई0सी0 सलाहकार, आर.0बी0एस0के0 सेल, एस0पी0एम0यू0,एन0एच0एम0,लखनऊ।**

मिशन निदेशक एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई/2023–24/04/320–2 दिनांक 13.04.2023 में प्रदत्त निर्देशानुसार उपरोक्त पर्यवेक्षकों द्वारा दिनांक 20.03.2024 से 22.03.2024 तक जनपद लखनऊ के निम्नांकित चिकित्सा इकाइयों/सामुदायिक स्तर कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण किया गया–

- दिनांक 20.03.2024 को सामु0स्वा0केन्द्र मलिहाबाद के अर्न्तगत ग्राम जानकीखेड़ा में वी0एच0एन0डी0 सत्र तथा खलिसपुर उपकेन्द्र (एच0डब्लू0सी0) पर पर्यवेक्षण किया गया। साथ ही क्षेत्र में एक स्कूल में आर0बी0एस0के0 टीम को भ्रमण किया गया।
- दिनांक 21.03.2024 को सामु0स्वा0केन्द्र–मलिहाबाद एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–रहीमाबाद (एच0डब्लू0सी0) पर पर्यवेक्षण किया गया।
- दिनांक 22.03.2024 को ठाकुरगंज टी0बी0 चिकित्सालयका भ्रमण कर चिकित्सा अधीक्षक के साथ फीडबैक साझा किया गया।

दिनांकः 20.03.2024

वी0एच0एन0डी0 सत्र–

- वी0एच0एन0डी0 सत्र गांव के मध्य आंगनबाड़ी कार्यकत्री के घर पर आयोजित किया गया था।

सराहनीय कार्य

- सत्र के दौरान संगिनी को छोड़कर सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति दर्ज थी। बाद में टीम के बुलवाने पर संगिनी भी वहाँ आ गयी। परन्तु वी0एच0एन0डी0 सत्र में आशा व संगिनी दोनो ही अपनी यूनीफॉम में नही आयी थी। आंगनबाड़ी सुपरवाइजर भी सत्र के दौरान उपस्थित थी। आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रजिस्टर अपडेटेड थे।
-

सुधार अपेक्षित

- ए0एन0एम0 की एन0सी0डी0 ट्रेनिंग नही हुयी है, उनके द्वारा अगस्त 2023 में ज्वाइन किया गया था।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र के आयोजन में सभी आवश्यक तैयारियां मानकानुसार नही थी।

- सत्र पर ए0एन0एम0 द्वारा ए0एन0सी0 के अन्तर्गत पेट की जाँच हेतु कोई प्रबन्धन नही किया गया था। ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि वह पेट की जाँच हेतु लाभार्थीयों को आंगनबाड़ी कार्यकत्री के घर के अंदर ले जाकर करती है जोकि व्यावहारिक प्रतीत नही हो रहा था।
- बैनर व अन्य लॉजिस्टिक एवं आवश्यक दस्तावेज (माइको प्लान, ड्यू लिस्ट एवं एम0सी0पी0 कार्ड इत्यादि) उपलब्ध पाये गये। डायबटिज की जाँच हेतु यूरिस्टिक उपलब्ध नही थी और किशोरियों हेतु आयरन गोली व आयरन सिरप उपलब्ध नही पाये गये।
- आशा द्वारा ड्यू लिस्ट तैयार नही की गई थी। अतिकुपोषित बच्चों को चिन्हित नहीं किया गया था। आशा डायरी मे क्षेत्र की कुल आबादी 545 अंकित थी और 66 लक्ष्य दम्पतियों के सापेक्ष कुल 55 दम्पतियों द्वारा परिवार नियोजन के पारम्परिक साधन का इस्तेमाल किया जा रहा था। आशा द्वारा अपना कोई भी कार्य जिम्मेदारी से नही किया जा रहा था। पारम्परिक साधन क्या होते है, टीम के पूछने पर आशा व आशा संगिनी द्वारा सही उत्तर नहीं दिया जा सका।
- मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु के विषय पर पर्याप्त सूचना उपलब्ध नही करायी गयी।
- ए0एन0एम0 को अपने क्षेत्र की जनसंख्या का सही–सही ज्ञान नही था।
- टीम द्वारा ए0एन0एम0 से ब्लड–प्रेशर एवं हिमोग्लोबिन की जांच करने को कहा गया तो ए0एन0एम0 को घबराहट होने लगी और वह दोनो ही काम सही से कर पाने में सक्षम नही पायी गयी।
- आशा की HBNC और NCD की ट्रेनिगं नही हुयी है। ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि आशा AAA की बैठक में भी नियमित रूप से नही आती है।
- ए0एन0एम0, आशा संगिनी एवं आशा को अपने कार्यो के विषय में पर्याप्त जानकारी नही थी। सभी को हैण्डहोल्डिंग की आवश्यकता है।
- सत्र के दौरान आंगनबाड़ी द्वारा होम टेक राशन का वितरण किया जा रहा था। आंगनबाड़ी सुपरवाइजर भी वहाँ मौजूद थी। आंगनबाड़ी के पास 3–6 वर्ष के 25 बच्चे, 7 माह –3 वर्ष के 24 बच्चे, 0–6 माह का 01 बच्चा एवं 04 गर्भवती महिला पंजीकृत थे। आंगनबाड़ी को बच्चे का ग्रोथ चार्ट नही भर पा रही थी। टीम द्वारा उसे ग्रोथ चार्ट भरना सिखाया गया।
- आशा और ए0एन0एम0 को छाया गोली को उपयोग करने के विषय में पूर्ण जानकारी नही थी, और इसी कारण वे लाभार्थीयों को भी छाया गोली को सही तरीके से खाने की सलाह नही दे पा रही थी। टीम द्वारा उन्हे सही तरीका बताया गया।
- ब्लॉक कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर द्वारा आशाओं की सतत परिवार नियोजन साधनों के सही उपयोग हेतु क्षमतावर्धन किये जाने की आवश्यकता है।
- आशा और ए0एन0एम0 द्वारा किशोरियों कों माहवारी के दौरान उपयोग किये गये पैड के सही निस्तारण के विषय में जानकारी नही दी जा रही है।

केस स्टडी– लाभार्थी का नाम : प्रियान्शी

Figure 1Mrs Priyanshi w/o Shri Shiv Singh

वी0एच0एन0डी0 सत्र पर एक 6.5 माह की बच्ची जिसका नाम यशिका था। अपनी बुआ के साथ वहाँ आयी थी। बातचीत करके सेवाओं की गुणवत्ता के विषय में पूछताछ की गयी। जाँच के दौरान पता चला कि बच्ची यशिका की लम्बाई 67 सेंटीमीटर व वजन 5.8 किलोग्राम था जबकि जन्म के समय बच्ची का वजन 3.5 किलोग्राम था। बच्ची को मां के द्वारा स्तनपान भी नही कराया जा रहा था और ना ही आशा या आंगनबाड़ी द्वारा स्तनपान की आवश्यकता, लाभ एवं सही तरीके सम्बन्धी परामर्श नही किया गया था, जिस वजह से बच्ची कुपोषण की श्रेणी में आ गयी थी। बच्ची का जन्म लोकबन्धु चिकित्सालय में 09 सितम्बर 2023 को हुआ था। वहाँ भी स्तनपान के लिये सही परामर्श नही किया गया। जन्म के बाद बच्ची की माँ बच्चे के साथ एक माह के लिये अपने मायके चली गयी थी। परन्तु वापस आने के बाद भी आशा या आंगनबाड़ी द्वारा गृह भ्रमण करके कोई परामर्श नही दिया गया। बच्ची की माँ प्रियान्शी बच्ची को स्तनपान नही करा रही थी और ना ही कोई परिवार नियोजन साधन का इस्तेमाल कर रही थी। टीम द्वारा प्रियान्शी को

परामर्श करने के दौरान पता लगा कि प्रियान्शी को इस माह मासिक धर्म नही आया है। टीम द्वारा कहने पर ए0एन0एम0 ने प्रियान्शी की pregnancy test kit से पेशाब की जांच की और फिर जांच रिर्पोट पॉजिटिव आ गयी। प्रियान्शी को जब पता चला कि उसे फिर से गर्भधारण हो गया है वह बेहद परेशान हो गयी। प्रियान्शी का स्वास्थ्य भी ठीक नही लग रही था, वह बेहद कमजोर दिखायी दे रही थी फिर टीम द्वारा पुनः कहने पर ए0एन0एम0 ने प्रियान्शी के हिमोग्लोबिन की जांच की जिसमे हिमोग्लोबिन 10.3 निकला। टीम द्वारा प्रियान्शी को काउन्सिल किया गया और दूसरे दिन प्रियान्शी गर्भ समापन हेतु परामर्श के लिये मलिहाबाद सी0एच0सी0 आने के लिये तैयार हो गयी। दिनांक 21.03.2024 को प्रियान्शी आशा और अपने परिवार के साथ मलिहाबाद सी0एच0सी0 पहुँची। टीम द्वारा उसे स्त्री रोग विशेषज्ञ को दिखाकर जांच करायी गयी। टीम द्वारा उसे दूसरे बच्चे मे अंतर के लिये उसकी पसन्द का परिवार नियोजन साघन का उपयोग करने हेतु परामर्श किया गया। साथ ही उसको बच्चे को सेमी लिक्विड आहार आरंभ करने हेतु परामर्श किया गया जिससे वह बच्ची अति कुपोषण की श्रेणी से बाहर आ जाये।

टीम द्वारा बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह आशा के माध्यम से प्रियान्शी का पुनः अल्ट्रासाउण्ड सी0एच0सी0 पर कराये और तत्पश्चात् उसे परिवार नियोजन साघन का उपयोग करने हेतु परामर्श दे। आशा सुनिश्चित करे कि प्रियान्शी या उसका पति कोई न कोई परिवार नियोजन साधन का उपयोग करे। ब्लॉक द्वारा अवगत कराया गया कि प्रियान्शी स्वस्थ है।

ANM is measuring blood presseure

ANM is doing hb test

AWW is measuring baby weight

AWW is measuring height of the baby

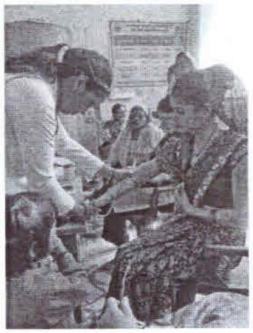

ANM is measuring BP of Priyanshi

एच0डब्लू0सी0, उप–केन्द्र खलिसपुर

सराहनीय कार्य

- उपकेन्द्र पर सी0एच0ओ0 श्री राजू कुमार उपस्थित थे।
- उपकेन्द्र पर साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी।
- परिवार कल्याण से सम्बन्धित आवश्यक सामाग्री सी0एच0ओ0 के पास उपलब्ध थी।
- सी0एच0ओ0 द्वारा टीम को अवगत कराया गया कि उनके द्वारा DVDMS portal, HWC portal, NCD application, Telemedicine application और ई–कवच पर कार्य किया जाता है। सी0एच0ओ0 द्वारा किये गये कार्यो को टीम को टैबलेट पर दर्शाया गया।
- उपकेन्द्र पर अभी तक 15 हाइपर टेन्शन एवं 10 डायबिटिज के मरीज पंजीकृत है जिनका इलाज उपकेन्द्र से चल रहा हैं।
- टीम द्वारा भ्रमण के दौरान ही एक मरीज कमलेश कुमार अपने इलाज के लिये उपकेन्द्र पर आये थे जिनको काफी दिनों से खासीं और मुँह मे छाले की शिकायत हो रही थी। सी0एच0ओ0 द्वारा मरीज को ई–संजिविनी के माध्यम से उस मरीज को टेली कन्सलटेशन कराया गया जिसमें मरीज की परेशानी जानने के बाद डा0 द्वारा उनको सर्वप्रथम टी0बी0 की जांच कराने की सलाह दी गई।
- सी0एच0ओ0 द्वारा उपलब्ध कराये गये अभिलेखो पर सूचनायें अंकित थी। एच0डब्लू0सी0, उप–केन्द्र का कार्य संतोषजनक पाया गया।

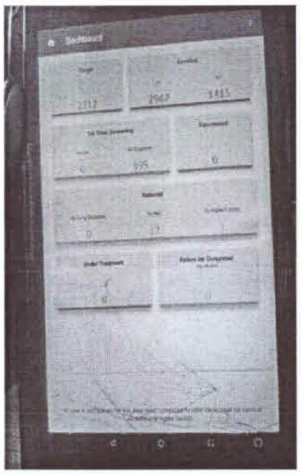

CHO showed NCD portal

सुधार अपेक्षित

- ब्लाक मलिहाबाद के उपकेन्द्र खलिसपुर का भ्रमण किया गया। इस उपकेन्द्र की जनसंख्या 5900 थी और इसके अन्तर्गत 05 आशायें कार्यरत थी। उपकेन्द्र पर डिलिवरी की सुविधा नही थी।
- टॉयलेट में रनिगं वाटर आ रहा था परन्तु वाशबेसिन का पाइप टूटा हुआ था जिससे नीचे की तरफ पानी गिर रहा था जोकि हाथ थोने में काफी असुविधाजनक था।
- अब तक कुल 1200 सी–बैक फॉर्म आशाओ द्वारा भरे गये परन्तु वर्तमान में आशाओं द्वारा सी–बैक फॉर्म नही भरा जा रहा है। जिले पर सी–बैक फॉर्म उपलब्ध नही कराये गये है।

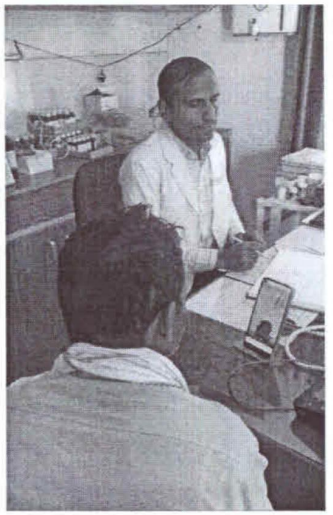

Tele Consultation is beling done by CHO, Khalispur HWC-SC

आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम

सराहनीय कार्य

- मलिहाबाद ब्लॉक के यूपीएम पुरवा में आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा स्कूली बच्चो का 4डी0 हेतु स्क्रीनिंग किया जा रहा था, जिसका टीम द्वारा पर्यवेक्षण किया गया।
- आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा कुल 90 बच्चों के सापेक्ष 76 बच्चों की स्क्रीनिंग की गयी थी। जिसमें त्वचा रोग के 4 बच्चे, दंत गुहा का 01 बच्चा और दृष्टि रोग के 3 बच्चे स्क्रीनिंग किये गये।
- आर0बी0एस0के0 के पास माइक्रोप्लान उपलब्ध था। और सभी आवश्यक सामाग्री एवं दवायें उपलब्ध थी।
- माह फरवरी 2024 में आर.बी.एस.के. टीम द्वारा कुल 98 बच्चों का रेफरल किया गया जिसमें 66 बच्चें स्कूल के थे और 32 बच्चें आंगनबाड़ी केन्द्र के थे।

सुधार अपेक्षित

- जनपद लखनऊ के डिलीवरी प्वाइंट पर बर्थ डिफेक्ट चिन्हीकरण अत्यधिक कम है। आर0बी0एस0के0 टीमों द्वारा सम्बन्धित चिकित्सा इकाई के लेबर रूम स्टॉफ को बर्थ डिफेक्ट चिन्हीकरण हेतु पुनः रिफ्रेशर ट्रेनिंग कर डिलीवरी प्वाइंट से बर्थ डिफेक्ट चिन्हीकरण एवं रिर्पोटिंग कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- आर0बी0एस0के0 वाहन पर विजिबिलिटी प्रोटोकॉल नही लगा हुआ था, तो आर0बी0एस0के0 टीम ने अवगत कराया कि विजिबिलिटी प्रोटोकॉल हवा से फट गया। आर0बी0एस0के0 टीम को निर्देशित किया गया कि विजिबिलिटी प्रोटोकॉल के मानकानुसार स्टीकर बैनर लगवाया जाये।

MHT Micro Plan

Available Drugs

Meeting with RBKS team

Group picture

दिनांकः 21.03.2024

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मलिहाबाद

सुधार अपेक्षित

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मलिहाबाद एक कायाकल्प प्रमाणित स्वास्थ्य केन्द्र है।
- एन0बी0एस0यू0 हेतु 02 स्टॉफ की ज्वानिंग हुयी है परन्तु बालरोग विशेषज्ञ का अटैचमेंट अन्य स्थान पर कर दिये जाने के कारण एन0बी0एस0यू0 अकियाशील है।
- टीम द्वारा अधिक्षक को सुझाव दिया गया कि वे सी0एम0ओ0 से बात करके बालरोग विशेषज्ञ का अटैचमेंट या पुनः नियुक्ति स्थान पर तैनाती कराकर एन0बी0एस0यू0 को कियाशील कराने का प्रयास करे।
- लेबर रुम में स्टॉफ नर्स की 02 रेगुलर सेक्शन पोस्ट के सापेक्ष इन–पोजिशन 00 है। 03 संविदा स्टॉफ द्वारा काम लिया जा रहा है।
- लेबर रुम में 02 टेबिल है जिसमें से एक लेबर टेबिल है और दूसरी नार्मल टेबिल है।
- लेबर रुम मे रेडियंट वार्मर की साफ–सफाई नही थी।
- बी0एच0टी0 और पार्टोग्राफ पूर्ण रुप से नही भरे गये थे।
- सर्जिकल वार्ड को पी0एन0सी0 वार्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा था जिसमे 08 बेड थे, और 04 मरीज मौजूद थे। वार्ड में बहुत गन्दगी दिखायी दे रही थी। टीम के सामने ही सफाईकर्मी आके सफाई करने लग गये थे। वार्ड में भीड़ अत्यधिक थी। और कोई भी आई0ई0सी0 नही देखने को मिली।
- माह फरवरी में कुल 179 प्रसव के सापेक्ष 117 पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाये गये थे। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाने से पूर्व कनसेन्ट फॉर्म नही भरे जा रहे है। माह फरवरी में पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इनसर्शन रेट 65 प्रतिशत था।
- प्रसूति महिलाओं से बात करने पर पता चला कि उनको परिवार नियोजन के संबंध में कोई भी परामर्श प्रदान नहीं किया गया है। 03 महिलाओं को पी0पी0आई0सी0यू0डी0 लगाया गया था, उनको इस विषय में जानकारी नहीं थी।
- परिवार नियोजन परामर्शदाता के होने के बाद भी प्रसव के बाद प्रसूति को कोई परामर्श नही किया जा रहा था। टीम द्वारा परामर्शदाता को नियमित रूप से पी0एन0सी0 वार्ड में जाकर प्रसूति महिलाओं को परिवार नियोजन के साधनो के उपयोग के विषय में परामर्श दिये जाने हेतु बताया गया।
- प्रतिदिन 5–6 प्रसव हो रहे है परन्तु लेबर रुम में केवल एक लेबर टेबिल उपलब्ध है। टीम द्वारा अधीक्षक महोदय को लेबर रुम से नॉर्मल टेबल को हटवाने व स्टोर से एक नई लेबर टेबल वहां रखवाने के लिए कहा गया।
- लेबर रुम में भारतीय शौचालय की व्यवस्था है।
- स्टोर रुम में ताला लगे होने के कारण लेबर रुम का निरिक्षण नही किया जा सका।

- वार्ड के बाहर की तरफ काली बाल्टी के स्थान पर लाल बाल्टी रखी हुयी थी, जोकि मानकानुसार नही थी।
- सफाई कर्मी यूनिफॉम में नही थे।
- परिसर की बाउन्ड्री वॉल के अन्दर प्रेरणा कैन्टीन संचालित थी।
- परिसर में गाड़ियो की पार्किगं की व्यवस्था ठीक नही थी।
- परिसर में 108 और 102 के 03 वाहन condemn स्थिति मे खड़ी पाई गई।
- बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेन्ट हेतु समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पीछे रूम बने हुए थे उस स्थान पर बहुत गन्दगी एवं कुड़ा–करकट फैला हुआ था। बॉयो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट कियाशील नही है।
- सामु0स्वा0के0 पर उपस्थित किसी भी आशा ने यूनिफॉम नही पहन रखा था।
- मानकानुसार नसबंदी रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे।

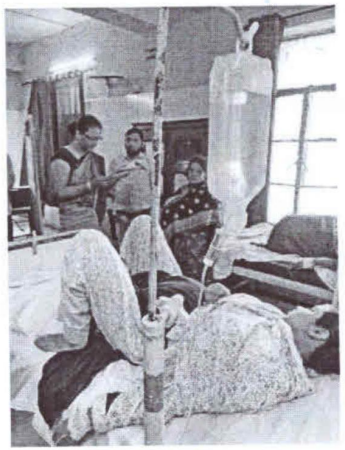

PNC ward

PNC Ward

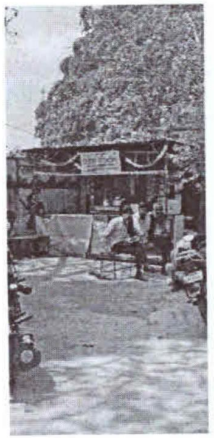

Prerna Canteen at CHC periphery

Unmanaged Parking

- एन0टी0ई0पी0 के अन्तर्गत एक ही रूम में कर्मियों के बैठने एवं लैब की व्यवस्था की गयी है तथा इसी रूम से लगा हुआ स्टोर रूम है। दोनों रूम अत्यधिक जर्जर अवस्था में है। अधीक्षक महोदय को सम्बन्धित कर्मियों को नवीन एम0सी0एच0 विंग में जगह उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।
- समस्त रजिस्टर अपडेटेड एवं संतोषजनक स्थिति में पाये गये। सम्बन्धित कर्मियों द्वारा अवगत कराया गया कि एन0टी0ई0पी0 के अन्तर्गत निश्चय ऐप कार्य नहीं करता एवं उनके पास रिर्पोटिंग हेतु लैपटॉप भी उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।

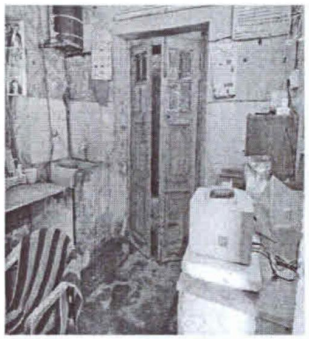

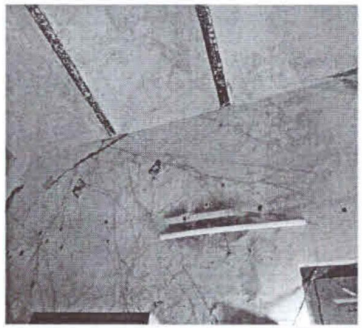

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रहीमाबाद

सराहनीय कार्य

- फैसिलिटी का परिसर साफ–सुथरा एवं अच्छे से सुसज्जित था।
- टीकाकरण रुम में tempreture record maintain किया जा रहा था। सभी वैक्सीन उपलब्ध पायी गयी।

सुधार अपेक्षित

- एल0टी0 का पद रिक्त था। उसने जनवरी 2024 में रिजाइन कर दिया था। वर्तमान में एल0टी0 का कार्य एल0ए0 द्वारा किया जा रहा है, जिस वजह से sputum की जांच नही हो पा रही है।
- लेडी डाक्टर के होते हुवे भी प्रसव कक्ष की कोई व्यवस्था नही थी।
- एन0बी0एस0यू0 कार्नर नही बना था।
- औषधी वितरण रुम में दवाओं को काट–काट कर रखा गया था। टीम द्वारा निर्देशित किया गया कि दवाओं को इस तरह से काट–काट कर नही रखना है, जब मरीज आये तभी दवाओं को काट कर दे।
- Pigeon chest में दवाएं रखने हेतु निर्देशित किया गया। प्रतिदिन की आवश्यकता अनुसार ही दवायें काउण्टर पर रखे मैनेज करने में आसानी होगी।
- फॉर्मासिस्ट को मलिहाबाद सी0एच0सी0 पर अटैच किया गया है, वह सी0एच0सी0 पर नाइट ड्यूटी करने के कारण पी0एच0सी0 पर उपलब्ध नही थे। स्टोर अलमीरा की चाबी फॉर्मासिस्ट के पास होने के कारण रिकार्ड और औषधी नही देखी जा सकी। फॉर्मासिस्ट से समस्त सूचनायें दुरभाष के माध्यम से ली गयी।

नोटः– मलिहाबाद के दो दिन के भ्रमण के दौरान बी0पी0एम0 श्री पवन कुमार टीम के साथ थे। बी0पी0एम0 द्वारा अपना कार्य इमानदारी व निष्ठा के साथ किया जा रहा है। उनके द्वारा क्षेत्र में ए0एन0एम0, आशा एवं आशा संगिनी की हैण्डहोल्डिगं का पूर्ण प्रयास किया जा रहा है।

Cold chain

Drugs & Consumables

Non Functional toilets

PHC Rahimabad

दिनांक 22.03.2024

ठाकुरगंज टी0बी0 चिकित्सालय,लखनऊ

चिकित्सालय कायाकल्प प्रमाणित है। यहाँ 44 डाक्टर के सापेक्ष कुल 22 डाक्टर तैनात है। 45 स्टॉफ नर्सो के सापेक्ष कुल 43 स्टॉफ नर्स तैनात है। 10 फार्मासिस्ट के सापेक्ष 10 फार्मासिस्ट है, एक फार्मासिस्ट अतिरिक्त तैनात है।

प्रसव हेतु चिकित्सालय में 02 प्रसूति रोग विशेषज्ञ (डा0 जोत्सना और डा0 रेनू) की तैनाती है। इसके साथ 03 लेडी मेडिकल डा0 एक सिस्टर इन्चार्ज और 03 स्टॉफ नर्स की तैनाती है। केस लोड के सापेक्ष मानव संसाधन पर्याप्त है। चिकित्सा अधिक्षक ने अवगत कराया कि उनकी तैनाती से पूर्व केस लोड बहुत कम था परन्तु अब प्रयास करने पर केस लोड बड़ा है।

प्रसव कक्ष

सराहनीय कार्य

- प्रसव कक्ष में 7 ट्रे की व्यवस्था संतोषजनक थी।
- लेबल्ड ड्रग ट्रे उपलब्ध थी।
- प्रसव कक्ष में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी।
- प्रसव प्रोटोकाल से सम्बन्धित आई0ई0सी0 का प्रदर्शन पूर्ण था।
- प्रसव कक्ष में एक समय पर दो स्टॉफ नर्स की ड्यूटी लगती है।

सुधार अपेक्षित

- एन0एच0एम0 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रसव पंजिका का उपयोग हो रहा है।
- स्टॉफ नर्स द्वारा बताया गया कि कार्य की अधिकता के कारण कभी–कभी पार्टोग्राफ अपूर्ण रह जाते है। पार्टोग्राफ सही व पूर्ण रुप से भरने के लिये टीम द्वारा निर्देशित किया गया।
- एच0आर0पी0 की कोई संकलित सूचना नही थी तथा उनका कोई फॉलोअप नहीं किया जा रहा था।

SN showing Drug kit

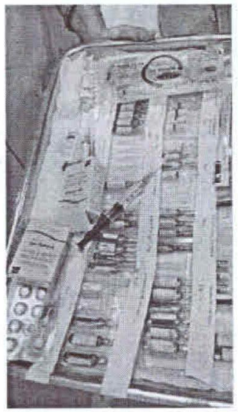

Emergency drug tray

Seven tray protocol

SN explaining delivery steps

Labour table

पी0 एन0 सी0 वार्ड–

सराहनीय कार्य

- पी0एन0सी0 वार्ड में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी।
- जे0एस0एस0के0 के अर्न्तगत डाइट पंजिका तैयार किया जा रहा था। भ्रमण के समय वार्ड में भर्ती लाभार्थीयों से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि उन्हें जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत भोजन प्राप्त हो रहा है।
- पी0एन0सी0 से सम्बन्धित (जैसे स्तनपान) आई0ई0सी0 का प्रदर्शन पूर्ण था।
- भ्रमण के समय 4 प्रसूति महिलायें मौजूद थी और जब टीम द्वारा उनसे सेवाओं की गुणवत्ता के विषय में उनके द्वारा चिकित्सालय में प्राप्त प्रसव सेवाओं एवं स्टाफ के व्यवहार की प्रशंसा की गई।

सुधार अपेक्षित

- प्रसूति महिला को अपने बच्चे को स्तनपान कराने मे दिक्कत हो रही थी। स्टॉफ नर्स द्वारा बताया गया है कि उसकी दक्षता ट्रेनिंग नही हुई है। तत्पश्चात् टीम द्वारा उस प्रसूति को सिरिंज की सहायता से milk extraction कर स्तनपान कराने की सही विधि बतायी गयी और साथ ही स्टॉफ नर्स को भी हैण्ड–होल्डिगं की गयी। अप्रशिक्षित स्टॉफ नर्सो का प्रशिक्षण कराने हेतु सुझाव दिया गया।

Feed back from beneficiary & families

Promoting Breast feeding

Team explaining correct method of Brest feeding

एन0आई0सी0यू0

- एन0आई0सी0यू0 मे मात्र एक ही Phototherepy machine थी।
- एन0आई0सी0यू0 से सम्बन्धित आई0ई0सी0 का कोई प्रदर्शन नही था। मात्र01 प्रशिक्षित स्टॉफ नर्स थी।
- एन0आई0सी0यू0 कक्ष में एवं Phototherepy machine पर बहुत धूल जमीं हुई थी एवं कक्ष अस्त–व्यस्त था
- जबकि स्टॉफ द्वारा अवगत कराया गया कि कल ही एक बच्चा डिस्चार्ज किया गया है।

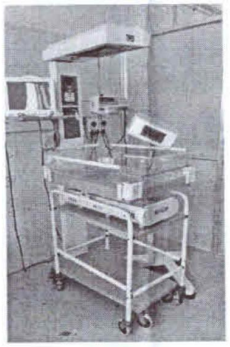

Figure 2 Phototherepy machine in bad condition

Unable to operate Oxygen

- पिछले माह एन0आई0सी0यू0 में कुल 29 बच्चो की भर्ती हुयी थी।
- टीम द्वारा जब ऑक्सीजन सिलण्डर को ऑपरेट करने को कहा गया तो स्टॉफ को बहुत समय लग गया और अन्ततः ऑक्सीजन सिलण्डर ऑपरेशनल नही हो पाया।
- एन0आई0सी0यू0 मानकानुसार कियाशील नही है।

डॉट सेन्टर

सुधार अपेक्षित

- अधीक्षक द्वारा अवगत कराया कि छः माह से एम0डी0आर0 स्टोरेज में नही है। एम0डी0आर0 की खरीद केन्द्र स्तर से है जो कि एक पॉलिसी मुद्दा है।
- एस0टी0एस0 ने अवगत कराया कि लैपटॉप का प्राविधान है पर अब तक मिला नही है। उन्होने बताया कि पोर्टल पर काम करने मे बहुत परेशनी होती है
- डॉट सेन्टर भवन काफी जर्जर स्थिति में था।
- एन0टी0ई0पी0 के अर्न्तगत कर्मियों के बैठने हेतु उपलब्ध भवन अतयन्त दयनीय अवस्था में है अतः भविष्य में कोई दुर्घटना न हो इसके लिए नवीन एन0टी0ई0पी0 विंग या अन्यत्र किसी स्थान पर यूनिट को शिफ्ट किया जाना उचित होगा।
- एन0टी0ई0पी0 के अन्तर्गत निश्चय ऐप सही से कार्य न करने के कारण (दिन में 3 से 4 घंटे) रिर्पोटिंग कार्य ससमय नही हो पाता है। सम्बन्धित कर्मियों के पास लैपटॉप /कम्पयूटर न होने के कारण कार्य करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

Notificatios register at DOT centre

- Working hours में Nischay App नहीं चलता है।
- अधिक्षक ने अवगत कराया कि वह भवन को दुसरी जगह शिफ्ट करने की योजना बना रहे है, चिकित्सालय परिसर में पर्याप्त स्थान है।
- टीम द्वारा टी0बी0 के एक मरीज को रैंडम कॉल करके उनसे ट्रीटमेंट सम्बन्धित जानकारी ली गयी तो उन्होने बताया कि हेल्थ विजिटर द्वारा उनको विजिट किया गया है और दवा कैसे लेनी है इस विषय पर जानकारी भी उपलब्ध करायी गयी है, परन्तु हेल्थ विजिटर द्वारा उनको डायट से सम्बन्धित कोई जानकारी नही दी गयी है। टीम द्वारा हेल्थ विजिटर को मरीज को डायट से सम्बन्धित परामर्श देने के लिये सुझाव दिया गया।

परिवार नियोजन

- परिवार नियोजन से सम्बन्धित स्थाई एवं अस्थाई साधनों के डॉक्यूमेन्टेशन हेतु प्रिन्टेड रजिस्टर उपलब्ध नही है।

- आज तक Tubectomy patient का भुगतान नही किया गया है और ना ही उससे सम्बन्धित कोई रिकॉर्ड उपलब्ध है। रिर्पोटिगं माह फरवरी में 02 Tubectomy हुयी है।
- परिवार नियोजन परामर्शदाता की तैनाती नही है।
- 6 माह से छाया और ओ0सी0पी0 उपलब्ध नही है।

आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम

- लेबर रुम स्टॉफ को आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम के विषय में कोई भी जानकारी नही थी। स्टॉफ को बच्चों में हाने वाले जन्मजात बर्थ डिफेक्टस के विषय में ओरियंट किया गया और साथ ही बताया गया कि विजिबल बर्थ डिफेक्टस (न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, डाउन सिन्ड्रोम, क्लेफ्ट लिप पैलेट, क्लबफुट, डेवलपमेन्टल डिस्प्लेसिया ऑफ हिप, कन्जनाईटल कैटरेक्ट, कन्जनाईटल डेफनेस, कन्जनाईटल हार्ट डिसीज, आर0ओ0पी0, माइक्रोसैफिली एवं मैक्रोसैफिली) से ग्रसित बच्चो को स्क्रीनिंग कर चिन्हित बच्चों को उपचार हेतु डी0ई0आई0सी0 केन्द्र लखनऊ में रेफर करना है, जहाँ उनकी निशुल्क शल्यक्रिया करायी जा सके।

टीकाकरण कक्ष

- परिवार नियोजन परामर्श हेतु Basket of choice की कोई व्यवस्था नही थी।
- 6 माह से छाया और ओ0सी0पी0 उपलब्ध नही है।
- गोपनियता हेतु पर्दे की व्यवस्था नही है।

चिकित्सा अधीक्षक के साथ बैठक

चिकित्सा अधीक्षक के साथ बैठक की गयी, जिसमें सम्बन्धित निरीक्षण बिन्दुओं से अवगत कराया गया तथा अनुरोध किया गया कि भ्रमण के दौरान इंगित की गयी कमियों को दूर करते हुए विस्तृत आख्या उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

- टीम द्वारा फैसिलिटी को एन0क्यू0ए0एस0 प्रमाणीकरण कराने के लिये प्रयास का सुझाव दिया गया।
- स्टॉफ नर्सो का दक्षता के अलावा कोई और प्रशिक्षण नही हुआ है, प्रशिक्षण करये जाने के लिये बताया गया।
- डॉट कार्यक्रम हेतु लैपटॉप की व्यवस्था के लिये अधीक्षक को सुझाव दिया कि वह AD/CMO को पत्र प्रेषित करे कि वह ऑपरेशनल कॉस्ट से मार्च से पहले सामान की खरीद कराये नही तो बजट lapse हो जायेगा। साथ ही जो सामान एन0एच0एम0 से मिलने का प्राविधान है, उसके लिये अपने counterpart से बात करे।
- मानकानुसार एन0आई0सी0यू0 क्रियाशील कराये जाने हेतु बताया गया।
- लेबर रूम में बर्थ डिफेक्ट पोस्टर लगाया जाये एवं समस्त लेबर रूम स्टॉफ की बर्थ डिफेक्ट स्क्रीनिंग एवं चिन्हीकरण कराये जाने हेतु डी0ई0आई0सी0 मैनेजर, लखनऊ (डॉ0 गौरव सक्सेना, मो0न0– 9654591321) से सम्पर्क कर प्रशिक्षण कराया जाये।

- परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों (आई0यू0सी0डी0 एवं पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रजिस्टर/कार्ड, अन्तरा रजिस्टर/कार्ड, काउन्सिलिंग रजिस्टर) के डॉक्यूमेन्टेशन हेतु स्टॉफ को हेतु प्रिन्टेड रजिस्टर उपलब्ध कराये जाये।
- सुप्रीम कोर्ट के शासनादेशानुसार चिकित्सालय में करायी जा रही महिला नसबंदी हेतु कन्सेन्ट फॉर्म, मेडिकल रिकॉर्ड चेकलिस्ट, पोस्ट डिस्चार्ज कार्ड, नसबंदी सर्टिफिकेट सम्बन्धित स्टॉफ को डॉक्यूमेन्टेशन हेतु उपलब्ध कराये जाये।

04/04/24

सादिया सिद्दीकी
आर0बी0एस0के0 परामर्शदाता

04/04/24

सरिता गुप्ता
आशा कार्यक्रम प्रबन्धक,
सी0पी0/ई0एम0टी0एस0

डा0 अर्चना वर्मा
महाप्रबन्धक, नियोजन